हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 59, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 12 अगस्त, 2021 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

मानसून सत्र : लोस की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

स्पीकर ओम बिरला बोले– काम नहीं होने से दुखी

नई दिल्ली। लोकसभा की कार्यवाही आज अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही मानसून सत्र के तहत 13 अगस्त तक चलने वाली थी लेकिन विपक्ष के भारी हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ा। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपना दुख जताया। उन्होंने कहा कि मैं लोकसभा में काम नहीं होने से दुखी हूं। ओम बिरला ने कहा कि 17वीं लोकसभा का 6वां सत्र आज सम्पन्न हुआ, इस सत्र में अपेक्षाओं के अनुरुप सदन का कामकाज नहीं हुआ। इसे लेकर मेरे मन में दुख है। मेरी कोशिश रहती है कि सदन में अधिकतम कामकाज हो, विधायी कार्य हो और जनता से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हो। उन्होंने कहा कि इस बार सदन की कार्यवाही में लगातार रुकावट आ रही थी। इसका समाधान नहीं हो सका। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक सदन में काम का संबंध है पिछले दो वर्ष अधिक उत्पादक रहे। कार्यवाही देर रात तक जारी थी और सांसदों ने कोविड के दौरान

भी सक्रिय योगदान दिया था। पिछले 2 साल संसद के कामकाज की दृष्टि से अधिक उत्पादकता वाले रहे। इसबार कुल उत्पादकता 22% रही। 20 विधेयक पारित हुए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि इस बार सदन केवल 74 घंटे 46 मिनट तक चला। कुल उत्पादकता 22 प्रतिशत थी। इस दौरान लोकसभा में ओबीसी विधेयक सहित कुल 20 विधेयकों को पारित किया गया, जिसे सभी दलों की सर्वसम्मति से पारित किया गया था। मैं पीएम और सदन में योगदान देने वाले सभी दलों के नेताओं को धन्यवाद देता हूं। ओम बिरला ने आगे कहा कि मैं हमेशा सांसदों से सदन की गरिमा बनाए रखने की अपेक्षा करता हूं। सदन में वाद-विवाद, समझौते और असहमति होती रही, लेकिन इसकी गरिमा कभी कम नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि सदन को संसदीय परंपराओं के अनुसार चलाया जाए और इसकी गरिमा को बनाए रखा जाए। नारेबाजी और बैनर उठाना हमारी संसदीय परंपरा का हिस्सा नहीं है। उन्हें (सांसदों को) अपनी सीटों से खुद को व्यक्त करना चाहिए। नए संसद भवन के सवाल पर ओम बिरला ने कहा कि हम यह प्रयास करेंगे कि नया संसद भवन 15 अगस्त (2022 में) से पहले बन जाए और जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे करेगा तो हम इसे नए संसद भवन में इसे मनाएंगे।

राज्यसभा में ओबीसी बिल पर चर्चा जारी, हंगामे को लेकर भावुक हुए सभापति

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी कांड, कृषि सुधार के कानूनों और महंगाई समेत अन्य कई मसलों को लेकर संसद के दोनों सदनों में विपक्ष लगातार हंगामा कर रहा है। इस बीच लोकसभा की कार्यवाही को अनिश्चित काल तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। राज्यसभा में ओबीसी बिल पर चर्चा हो रही है। लोकसभा में पारित 127वां संविधान संशोधन विधेयक के आज राज्यसभा से भी पारित किए जाने की उम्मीद है। राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू मंगलवार को विपक्षी सांसदों के हंगामे पर बोलते हुए भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि कल इस सदन की सारी पवित्रता तबाह हो गई।

वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की पुनर्विचार याचिका, एयरटेल भी उठा सकती है कदम

नई दिल्ली। घाटे और कर्ज से गुजर रही दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया ने समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) मामले में सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। टेलीकॉम कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट से उसके 23 जुलाई के आदेश पर पुर्नविचार करने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, एयरटेल भी राहत के लिए अदालत का रुख कर सकती है। 23 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वोडाफोन आइडिया और भारती एयरटेल सहित टेलीकॉम कंपनियों द्वारा देय एजीआर संबंधित बकाया भविष्य की किसी मुकदमेबाजी का विषय नहीं हो सकता है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली पीठ ने एजीआर की गणना में कथित त्रुटियों को सुधारने की मांग करने वाली दूरसंचार कंपनियों की याचिका को खारिज करते हुए यह बात कही थी। वोडाफोन आइडिया पर एजीआर, स्पेक्ट्रम, कर्ज और शुल्क आदि मिलाकर कुल 1.80 लाख करोड़ बकाया है, जबकि उसकी बाजार पूंजी 20 हजार करोड़ के आसपास है। ऐसे में कंपनी के लिए बिना निवेश के बकाया चुकाना और कारोबार जारी रखना बेहद मुश्किल होगा।

भारत ने किया क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण चीन और पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली। भारत ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित की गई एक क्रूज मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। ये परीक्षण ओडिशा स्थित बालासोर में किया गया है। परीक्षण के दौरान मिसाइल ने करीब 150 किमी का सफर पूरा किया। इस मिसाइल में इंडीजिनीयस क्रूज इंजन लगा है। एएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि भविष्य में इस मिसाइल के और भी परीक्षण किए जाएंगे। इस मिसाइल का परीक्षण में खरा उतरना चीन और पाकिस्तान दोनों के ही लिए खतरे की घंटी है। इससे पहले भारत ने यहां से ही आकाश मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। ये मिसाइल जमीन से हवा में मार करने वाली है। इससे पहले भारत ने यहां से ही आकाश मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। ये मिसाइल जमीन से हवा में मार करने वाली है। इससे दो दिन पहले डीआडीओ ने पोर्टेबल एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। गौरतलब है कि भारत अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ा रहा है। इसके तहत भारत जहां अपनी सेनाओं को अत्याधुनिक करने में लगा हुआ है, वहीं अपनी सुरक्षा के लिए नई मिसाइलों के निर्माण में भी आगे बढ़ रहा है। पिछले माह की भारत ने अग्नि मिसाइल का भी सफल परीक्षण किया था। यहां पर आपको ये भी बता दें कि भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन दोनों ही भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बने हुए हैं। इसको देखते हुए भारत अपनी सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखना चाहते हैं। चीन लगातार भारतीय सीमा के निकट अपनी सेना का जमावड़ा कर रहा है। वो लगातार भारत पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत न सिर्फ सीमा के करीब अपनी वायु सेना के लिए नए ठिकाने बना रहा है, बल्कि दूसरे साजो सामान की पहुंच को आसान बनाने के लिए ढांचागत निर्माण भी कर रहा है। इसको देखते हुए ये बेहद जरूरी है कि भारत अपनी तैयारी को पुख्ता रखे। दो दिन पहले भारत ने अपने दूसरे एयरक्राफ्ट करियर को भी पानी में उतारकर उसकी टेस्टिंग शुरू कर

दी है।

बता दें कि भारत पास दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जिसका नाम ब्रह्मोस है। इस मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर विकसित किया है। कुछ समय पहले इसकी रेंज को बढ़ाया गया था। ये करीब 4300 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ती है। इसका अचूक वार दुश्मन को संभलने का मौका नहीं देता है।

मासूम से दुष्कर्म और हत्या केसः ट्विटर ने कोर्ट को बताया- राहुल गांधी ने किया हमारी नीति का उल्लंघन

नई दिल्ली। दिल्ली कैंट इलाके में 9 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में उसके परिजनों का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में ट्विटर

ने आज यानी बुधवार को हाईकोर्ट को बताया कि राहुल गांधी ने उनकी नीति का उल्लंघन किया है। ट्विटर ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा पोस्ट किए गए ट्वीट को डिलीट कर दिया साथ ही उनके अकाउंट को भी बंद करने का दावा किया है। ट्विटर की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता साजन पूवैया ने कोर्ट को बताया कि हमने उस ट्वीट को हटा दिया है, क्योंकि, यह हमारी नीति के भी खिलाफ है। मुख्य न्यायाधीश डीएन पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। अधिवक्ता गौतम झा, पंकज कुमार और स्वेता झा के माध्यम से एक सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश महादलेकर ने याचिका दायर की थी। बता दें कि मासूम से दुष्कर्म और हत्या के मामले में उसके परिजनों का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ बाल अधिकार कानून एवं पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई। इस संबंध में हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर आज सुनवाई हुई। सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश महादलेकर ने अधिवक्ता गौतम झा के माध्यम से दाखिल याचिका में कहा कि राहुल गांधी ने पीड़ित बच्ची के परिजनों की पहचान सार्वजनिक कर बाल अधिकार कानून एवं पाक्सो एक्ट का उल्लंघन किया है। उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाए और दिल्ली पुलिस को उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का निर्देश दिया जाए। साथ ही ट्विटर से भी पीड़ित लड़की के परिजन की पहचान हटाने को कहा जाए। याचिकाकर्ता ने कहा कि लड़की के परिजन की पहचान राजनीतिक लाभ के लिए सार्वजनिक की गई है, जो सर्वथा अनुचित है।

अचानक दिल्ली के दौरे पर गए बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने पीएम मोदी से की मुलाकात

कोलकाता। अचानक दिल्ली के दौरे पर गए बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने बुधवार को संसद भवन में जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस समय संसद का सत्र भी चल रहा है। वहीं, पीएम से राज्यपाल की इस मुलाकात के बाद कई तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। हालांकि राज्यपाल ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

वहीं, राजभवन सूत्रों का कहना है कि प्रधानमंत्री के साथ यह सौजन्य मूलक मुलाकात थी। बता दें कि राज्यपाल और ममता सरकार के बीच विभिन्न मुद्दों पर लगतार टकराव चल रहा है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से राज्यपाल ने ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ बयान देना बंद कर दिया है और लगभग चुप्पी साध ली है। इस चुप्पी के बीच अचानक राज्यपाल के दिल्ली दौरे और पीएम मोदी से मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। बता दें कि इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धनखड़ को राज्यपाल पद से हटाने के लिए पीएम मोदी को पत्र भी लिखा था। खबर है कि राज्यपाल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ भी मुलाकात कर सकते हैं। इस दौरान वह राज्य की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी रिपोर्ट सौंप सकते हैं। बता दें कि राज्यपाल धनखड़ मंगलवार शाम को अचानक दिल्ली के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे। ममता सरकार के साथ जारी टकराव के बीच डेढ़ महीने के भीतर दिल्ली की उनकी यह तीसरी यात्रा है।

आतंकी साजिश नाकामः कश्मीर के बांदीपोरा में हथियारों का जखीरा बरामद

जम्मू। कश्मीर घाटी के बांदीपोरा में एलओसी के पास बुधवार को हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद हुआ है। तलाशी अभियान के दौरान बरामद इस खेप से बड़ी आतंकी साजिश को सुरक्षबलों ने टाल दिया है। इस संबंध में पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है। बता दें कि सुरक्षाबलों ने उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले के गुरेज के तरबल गांव में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास हथियारों और गोला-बारूद का एक जखीरा बरामद किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना की ओर से इलाके में तलाशी अभियान शुरू किया गया था। इसी दौरान गोविंद नाला क्षेत्र में यह बरामदगी की गई। जिसमें तीन एके-47 राइफल, एके-47 की 12 मैगजीन, दो पिस्टल, पिस्टल की चार मैगजीन, कुल 550 कारतूस, 18 ग्रेनेड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री शामिल है। पुंछ में सेना,

एसओजी और बीएसएफ ने सोमवार को एक आतंकी ठिकाना ध्वस्त किया था। इस आतंकी ठिकाने से भी भारी मात्रा में हथियार व गोला बारूद बरामद हुआ। स्वतंत्रता दिवस से पहले इस आतंकी ठिकाने का पता लगना और साजिश को नाकाम करना सुरक्षाबलों के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। बता दें कि विशिष्ट इनपुट पर पुंछ में वन क्षेत्र में सेना, एसओजी पुंछ और बीएसएफ का एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकी ठिकाना मिला, जहां से हथियार व गोला बारूद बरामद किया गया। जिसमें दो एके-47, एके-47 की दो मैगजीन, एके-47 के 257 कारतूस, चीन निर्मित एक पिस्टल, पिस्टल की दस मैगजीन व 68 कारतूस, चार ग्रेनेड, डेटोनेटर, दो मोबाइल, बारह मोबाइल चार्जर और दो बैट्री शामिल हैं।

असम में संदिग्ध मानव बलि में 5 साल की बच्ची की मौत, तांत्रिक गिरफ्तार

चराइदेव। असम के चराइदेव जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां मानव बलि के एक संदिग्ध मामले में एक पांच साल की बच्ची की हत्या कर दी गई है। इस मामले में पुलिस ने एक तांत्रिक को गिरफ्तार किया है। पांच भाई-बहनों में सबसे छोटी बच्ची का सोमवार की रात उस समय उसके घर से अपहरण कर लिया गया जब वह सो रही थी। वहीं उसकी बड़ी बहन ने मंगलवार को सेफ्राई थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बच्ची का शव मंगलवार की रात सिंगलू नदी से बरामद किया गया था और राख के साथ लाल कपड़ा और तांत्रिक अनुष्ठान में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्री भी नदी के तट पर मिली थी, जिससे संकेत मिलता है कि यह मानव बलि का मामला हो सकता है। पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस मामले में एक तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके अलावा इस मामले में मुख्य आरोपी व्यवसायी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।अधिकारी ने कहा कि लड़की के माता-पिता से पूछताछ की गई है और उसके पिता सहित 10 लोगों को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। पुलिस

अधिकारियों ने कहा कि मानव बलि के एंगल से इस घटना की जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आदिवासी बहुल चाय बागानों में मानव बलि की पहले भी घटनाएं हुई हैं। साल 2016 में इलाके के एक अन्य चाय बागान से चार साल की बच्ची लापता हो गई थी और कुछ दिनों बाद उसका क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया था।

किन्नौर में पहाड़ दरकने से यात्रियों से भरी बस समेत 6 वाहन मलबे में दबे, 40 लोगों के फंसे होने की आशंका

भावानगर/रिकांगपिओ। हिमाचल प्रदेश के जिला किन्नौर के निगुलसरी में राष्ट्रीय राजमार्ग पांच पर एक पहाड़ी दरक गई। बताया जा रहा है पहाड़ी से दरके मलबे की चपेट में सवारियों से भरी एक बस भी आ गई है। बताया जा रहा है बस हरिद्वार जा रही थी व इसमें 35 के करीब यात्री सवार थे। जिला प्रशासन समेत अन्य अधिकारी मौके के लिए रवाना हो गए हैं। एनडीआरएफ समेत सीआरपीएफ व आइटीबीपी की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं व राहत कार्य शुरू कर दिया है। एनडीआरएफ टीम ने 11 लोगों को रेस्क्यू किया है। बताया जा रहा है चार लोग खुद जख्मी हालत में मलबे से बाहर निकलकर सड़क तक पहुंच गए। बचाव कार्य जारी है, लेकिन रुक रुककर मलबा गिरने से बचाव कार्य प्रभावित हो रहा है। आईटीबीपी के प्रवक्ता विवेक पांडेय के मुताबिक हादसे में करीब 40 लोगों के फंसे होने की आशंका है। डीएसपी भावानगर राजू के मुताबिक रिकांगपिओ से हरिद्वार जा रही हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस का चालक ही बचा है। बाकी सब मलब में दबे हुए हैं। चालक के मुताबिक बस में 30 से 35 यात्री सवार थे। बताया जा रहा है बस समेत एक ट्रक व पांच से छह छोटी गाड़ियां भी मलबे की चपेट में आई हैं। अभी तक चार लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। पहाड़ी से काफी देर तक मलबा गिरता रहा। जिला प्रशासन के सभी अधिकारी पुलिस अधिकारी जांच दस्ते लेकर मौके के लिए रवाना हो गए हैं। घटनास्थल के दोनों तरफ अभी भी पत्थर और

मलबा गिर रहा है। इस कारण प्रशासन व बचाव दल हादसे के काफी देर तक मौके पर नहीं पहुंच पाए। बस के अलावा छोटे वाहनों में भी कई लोग सवार थे, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि 50 से ज्यादा मलबे की चपेट में आ गए हैं। सड़क पर भारी मलबा गिरने के कारण प्रशासन व बचाव दल को मौके पर पहुंचने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने सदन में अवगत करवाया कि किन्नौर में एक हादसा हो गया है। जिसमें राहत कार्य करने के लिए एनडीआरएफ, आइटीबीपी, सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंच चुकी हैं। स्थानीय प्रशासन को भी रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का फोन आया था उन्होंने भी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। चट्टानों के नीचे दबी बस से लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार चौपर भी भेज रही है, ताकि इस घटना में फंसे लोगों को सुरक्षित निकाल कर उन्हें इलाज के लिए अस्पताल तक लाया जा सके। बीते दिनों में भी किन्नौर में पहाड़ी से भारी भूस्खलन हुआ था, जिसमें पर्यटकों का वाहन मलबे की चपेट में आ गया था व नौ लोगों की मौत हो गई थी। अब एक बार फिर से बड़े हादसे ने पूरे हिमाचल को झकझोर कर रख दिया है। किन्नौर हिमाचल प्रदेश का जनजातीय जिला है। किन्नौर के निगुलसरी के समीप चील जंगल में यह हादसा हुआ है। भूस्खलन की चपेट में चार से 5 गाड़ियों सहित एक हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस आई है।

ऑनलाइन स्टडी नहीं करने से नाराज मां ने बेटे की हत्या की, बाद में खुद भी फांसी लगाई

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने कथित तौर पर अपने साढ़े तीन साल के बच्चे की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। इसकी पीछे की वजह जानकर आपको और ज्यादा हैरानी होगी। 32 वर्षीय महिला ने यह कदम इसलिए उठाया, क्योंकि वह ऑनलाइन स्टडी नहीं कर रहा था।

पुलिस के मुताबिक, पाथर्डी फाटा इलाके की रहने वाली महिला ने सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे घर में फांसी लगा ली। इससे पहले उसने कथित तौर पर अपने बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी थी, क्योंकि वह ऑनलाइन स्टडी नहीं कर रहा था। इस वजह से महिला बेहद नाराज थी। जब दोनों घटनाएं हुईं उस वक्त महिला के माता-पिता घर में मौजूद थे। पुलिस ने कहा कि उन्हें मां-बेटे के शवों के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें कहा गया है कि उनकी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। दूसरी ओर, पढ़ाई के लिए डांटे जाने से नाराज एक 15 वर्षीय किशोरी ने कराटे की बेल्ट से मां की कथित तौर पर गला घोंट कर हत्या कर दी। किशोरी ने इसे दुर्घटनावश मौत का मामला बताने की कोशिश की। यह घटना 30 जुलाई को नवी मुंबई के ऐरोली इलाके में हुई। लेकिन पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रवाले पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि किशोरी के माता-पिता उसे डॉक्टर बनाना चाहते थे, इसलिए नीट परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग क्लासेस में एडमिशन करा दिया था। लड़की मेडिकल की पढ़ाई नहीं करना चाहती थी, इसलिए उसकी मां के साथ अकसर कहासुनी होती थी। अधिकारी ने बताया कि 27 जुलाई को पिता ने लड़की को मोबाइल फोन पर गेम खेलने के लिए डांटा था जिससे नाराज होकर वह पास में ही रहने वाले एक रिश्तेदार के घर चली गई थी। जब किशोरी की मां उसे वहां बुलाने गई तो लड़की ने कहा कि पढ़ाई के लिए उसे परेशान किया जा रहा है। वह अभिभावकों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करा देगी।

चिंतन मनन

चीन पर दबाव

भारतीय सेना द्वारा पूर्वी लद्दाख के ऊंचाई वाले इलाकों में बड़े पैमाने पर अपने टैंकों की तैनाती शुरू करने के एक साल से अधिक समय के बाद अब टैंक रेजिमेंटों ने इस क्षेत्र में ऑपरेशन चलाने के लिए कमर कस ली है। इसके तहत इस रेजिमेंट के जवानों ने इस क्षेत्र में 14,000 फीट से 17,000 फीट की ऊंचाई पर अपनी मशीनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए अपनी मानक संचालन प्रक्रियाओं को और भी अधिक विकसित किया है। भारतीय सेना ने टी-90 भीष्म और टी-72 अजय टैंकों के साथ-साथ रेगिस्तान और मैदानी इलाकों में तैनात बीएमपी सीरीज इन्फैंट्री कॉम्बैट व्हीकल्स को भी इन ऊंचाई वाले स्थानों में बड़े पैमाने पर लाना शुरू कर दिया है। भारतीय सेना की यह कार्रवाई ऐसे समय हो रही है, जब 12वें दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों ने सेनाएं पीछे हटाने का काम शुरू किया है। आज भारत के दबाव में चीन भले ही पीछे हट रहा हो, मगर उस पर एकदम से भरोसा नहीं किया जा सकता। वह कभी भी पलटवार कर सकता है। ऐसा हमने बीते एक साल में देखा है। भारतीय सेना ने पिछले साल टैंक शेल्टर सहित टैंक संचालन को और मजबूत बनाने के लिए एक बड़ा बुनियादी ढांचा बनाया है जिससे कि सर्दियों के दौरान मशीनों को खुले में रखने से बचाव होगा। अब सेना इन टैंकों के रखरखाव पर जोर दे रही है, क्योंकि अत्यधिक सर्दियां रबर और अन्य भागों पर प्रभाव डाल सकती हैं। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख के फिंगर क्षेत्र और गालवान घाटी जैसे स्थानों पर चीनी सेना के आ जाने के बाद भारतीय सेना ने बड़ी संख्या में जवानों और मशीनों को शामिल करना शुरू कर दिया था। वहीं क्षेत्र में भारतीय सेना की सख्त कार्रवाई ने चीनियों को आक्रामक तरीके से आगे बढ? से रोक दिया और इस प्रकरण में गलवान नदी घाटी में हिंसक झड़पें देखी गईं। हालांकि, अब 15 महीनों से तनातनी के माहौल में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़ी भारत और चीन की सेनाओं का अब अपनी-अपनी जगहों पर लौट आना एक महत्वपूर्ण घटना है। दोनों देशों के उच्च अधिकारियों के बीच बारहवें दौर की हुई बातचीत के बाद इस पर सहमति बनी। यह बातचीत और घटनाक्रम इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि न सिर्फ दोनों देशों ने अपनी सेनाएं वापस बुला ली हैं, बल्कि उस इलाके में बनाए सभी अस्थायी निर्माण भी हटा लिए गए हैं। लेकिन दिल्ली से सेना को साफ संकेत मिले हैं कि सेना पीछे की जाए, निगरानी में कोई कमी न रहे। पिछले छह महीनों में दोनों देशों के बीच यह दूसरा कदम है, जब उन्होंने अपनी सेनाओं को पीछे लौटने को कहा। फरवरी में पैंगोंग त्सो झील के दोनों छोरों पर से इसी तरह तनातनी समाप्त की गई थी। हालांकि अब भी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कम से कम चार जगहों पर दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं। उनमें देपसांग और हॉट स्प्रिंग को ज्यादा संवेदनशील माना जाता है। चीन ने उन क्षेत्रों से अपनी सेना हटाने से मना कर दिया है। मगर गोगरा से सेना हटाने के ताजा फैसले से उम्मीद बनी है कि उन बिंदुओं पर भी सकारात्मक नतीजे सामने आएंगे। पिछले साल गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों में हिंसक झड़प होने की वजह से तनाव काफी बढ़ गया था। उसमें दोनों तरफ के कई सैनिक मारे भी गए थे, जिसे लेकर स्वाभाविक ही दोनों देशों के बीच रोष बढ़ गया था। खासकर भारत सरकार पर दबाव बनना शुरू हो गया था कि वह अपना नरम रवैया छोड़ कर चीन के साथ कड़ाई से पेश आए। चीन ने भी उस इलाके में अत्याधुनिक हथियारों से लैस अपने सैनिकों की संख्या बढ़ानी शुरू कर दी थी। वह भारत के हिस्से वाले क्षेत्र में काफी अंदर तक घुस आया था। मगर इस तनातनी को दूर करने के मकसद से दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत का सिलसिला बना हुअ था। राजनीतिक स्तर पर भी इसे सुलझाने के प्रयास जारी रहे। उसी का नतीजा था कि फरवरी में लद्दाख क्षेत्र में चीन ने अपने कदम वापस खींचे थे। अभी देपसांग और हॉट स्प्रिंग को लेकर बातचीत का सिलसिला बना हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि वहां भी तनाव का वातावरण समाप्त करने में कामयाबी मिलेगी।

क्यों देना ये आज ?

जनप्रतिनिधि यदि दागी ।
कैसे स्वच्छ समाज ?
गलत के हाथों में ।
क्यों देना ये आज ?
चिंता है गंभीर ।
सिलसिला ना थमता ।।
हुआ उनका कार्य ।
अपना पर ना बनता ।।
कब टूटेगी नींद ?
है भविष्य के गर्भ ।।
न्यायालय फटकार चुका ।
जो इसके सन्दर्भ ।।
है अधिकार क्षेत्र ।
हो कैसा परिवेश ?
चर्चा तो है खूब हुई ।
ना रहा कुछ शेष ।।

–कृष्णेन्द्र राय

राष्ट्रीय सुरक्षा पर उदासीन संसद

जून माह में जम्मू के भारतीय सैन्य अड्डे पर आतंकवादियों ने ड्रोन से हमला कर कई विस्फोट किये थे। यद्यपि इन विस्फोटो से कोई क्षति विशेष नहीं हुई परन्तु आतंकवादियां द्वारा भारत की सीमा पर इस नये प्रयोग को लेकर सैन्य अधिकारियों और सुरक्षा अधिकारियों में चिंता व्यापत है। बताया गया है कि ये आतंकवादी पाकिस्तानी आतंकवादी है, जिन्होंने पाक सीमा से ड्रोन को भारतीय सीमा और सुरक्षा स्थल पर प्रवेश कराया था। चूंकि ड्रोन चालक विहीन विमान और आकार में भी छोटा होता है अतः इससे आतंकवादियों को जोखिम विहीन हमले करने का अवसर प्राप्त होता है। वैसे तो मेरी राय में यह कहना भी अभी मुमकिन नहीं है कि यह आतंकवादी हमला था या फिर पाकिस्तानी हुकूमत या पाक सेना का सुनियोजित प्रयास। अगर इसके पीछे सरकार और पाक सेना की भूमिका नहीं होती तो पाकिस्तानी सीमा से ड्रोन का प्रवेश संभव नहीं था। अगर इन आतंकवादियों को पाक हुकूमत और सेना का संरक्षण नहीं मिला होता तो ये ड्रोन भारतीय सीमा में प्रवेश ही नहीं कर सकते एवं पाक सीमा सुरक्षा बल ही इन्हें गिरा देता। यह आश्चर्यजनक है कि इस ड्रोन आतंकवाद के नये प्रयोग पर सैन्य क्षेत्रों में जो भी हलचल हुई हो परन्तु भारत के समाज में और विशेषतः राजनैतिक क्षेत्र में कोई उल्लेखनीय या चिंताजनक पीड़ा देखने या सुनने में नजर नहीं आई। इस गंभीर सवाल को जो राष्ट्र की सुरक्षा से संबंधित है हिन्दुस्तान की संसद में भी चर्चा या कोई स्थान नहीं मिला और हर दिन छोटे मोटे गैर जरूरी प्रश्नों पर खत्म हो जाने वाली संसद इतने बड़े राष्ट्रीय महत्व के प्रश्न पर अभी तक तो तटस्थ ही रही है।

जम्मू कश्मीर की इस सीमा उल्लंघन और विस्फोट के बाद दो तीन अन्य स्थानों पर भी विशेषतः पंजाब की सीमा में भी ड्रोन की घुसपैठ हुई है। यद्यपि वहां विस्फोट नहीं हुये परंतु संभव है कि ड्रोन के माध्यम से छोटे या गुप्तचरी कैमरे के द्वारा भारत की सुरक्षा सूचना प्राप्त की गई हो। और यह भी कम चिंता का विषय नहीं है। अगर ड्रोन भारतीय सीमा में इस आसानी से प्रवेश कर सकते है तो किसी दिन वे बड़े विस्फोट,

आणविक, परमाणुविक माध्यम भी बन सकते है। घुसपैठ तो देश में आतंकवादियों की पहले भी होती रही है परन्तु शारीरिक घुसपैठ उतनी चिंताजनक नहीं होती जितनी ड्रोन घुसपैठ। कारगिल में आतंकवादियों ने सशरीर घुसपैठ की थी जिसका कठिन परिस्थितियों में जमीनी मुकाबला भारतीय सुरक्षा बलों ने किया था, भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से भारी संख्या में अधिकारियों और सैन्य लोगों की मृत्यु को सहकर आतंकवादियों को न केवल रोका था बल्कि उन्हें पराजित भी किया था। वह तो उस समय अंतर्राष्ट्रीय दबाव में अटल जी की सरकार ने घुसपैठियों को स्पेसिफिक के नाम पर वापिस जाने की सुविधा नहीं दी होती तो शायद वह एक नये इतिहास का आधार बनती। कारगिल घुसपैठियों के वे संदेश भी सेना के पास सुरक्षित होगे जिनमें वे अपने आकाओं को संदेश भेज रहे थे कि हमारा गोला बारूद खत्म हो चुका है और जान खतरे में है। अब दुनिया में युद्ध की मानव विहीन तकनीक सामने आयी है। जिसमें ड्रोन, यू.ए.बी. और गाईडिड मिसाइल शामिल है। ये तरीके मानवता को नष्ट करने के माध्यम बन सकते है। पिछले दिनों यमन में बैठकर उग्रवादियों ने सऊदी अरब के तेल संयंत्र उड़ा दिये थे। 14 सितम्बर 2019 को सऊदी अरब की आरामको तेल कंपनी पर ड्रोन हमला किया गया था जिससे ये दो बड़े तेल उत्पादक संयंत्र नष्ट हो गये थे और दुनिया का आधा तेल उत्पादन लगभग नष्ट हो गया था। जिसके परिणामस्वरूप दुनिया में कच्चे तेल का वितरण भी कम हुआ था और कच्चे तेल के दामों में एक दम आग लग गई थी। इस आतंकवादी हमले का कारण यमन के आतंकवादी संगठन ने यह बताया था कि सऊदी अरब यमन के गृह युद्ध में दखल दे रहा है। इस हमले में हूती उग्रवादी बड़ी संख्या में मारे गये। हूती उग्रवादियां के 10 ड्रोन के जरिये ड्रोन के हमले के बाद सऊदी अरब ने यमन के उग्रवादियों के अलावा ईरान को भी ड्रोन हमले का जिम्मेदार बताया था।

इस घटना के ठीक 1 महीने बाद यानि सितम्बर 2020 में अजर बैजान व आरमेनिया के बीच भी 44 दिन का लम्बा युद्ध हुआ था और इसमें भी ड्रोन यू.ए.वी. और मिसाइलों का व्यापक प्रयोग किया गया था। यद्यपि अजर बैजान और आरमेनिया के पास अणु और परमाणु हथियार नहीं थे वरना इस युद्ध का भविष्य क्या होता और उसका प्रभाव इन देशों के नष्ट होने के रूप में आता साथ ही इनके आसपास के 100 - 200 कि.मी. की परिधि में स्थित देशों के ऊपर भी प्रभाव पड़ता। ड्रोन हमले इसलिये भी आतंकवादियों, नवयोद्धाओं देशों की पसंद है क्योंकि ड्रोन हमलो या यू.ए.बी. या मिसाइलों हमलों में मानवीय क्षति (हमला करने वाले) लगभग नहीं होती क्योंकि ये मानव रहित तकनीक के होते है। इनके निर्माण पर भी बहुत कम खर्च आता है, और इनको ले जाने वाले विमान पर तुलना में खर्च एक प्रतिशत से भी कम होता है। इतना ही नहीं ड्रोन हमले के लिये प्रशिक्षिण का खर्च भी सामान्य युद्ध, प्रशिक्षिण का 10 प्रतिशत से भी कम आता है, यानि ड्रोन युद्ध सस्ता और मारक युद्ध की तकनीक है। हो सकता है कि, हमारे देश के सांस्कृतिक बुद्धिजीवी यह कहकर खुश हो कि ड्रोन या मिसाइल इनका प्रयोग तो भारत, राम रावण युद्ध में या महाभारत में कर चुका है इसलिये हम ड्रोन या मिसाइल तकनीक में भी विश्व गुरू है। परन्तु वे यह भूल जाते है कि ड्रोन हमले की व्यापक संभावनाओं की चपेट में आने वालों को ड्रोन या मिसाइल नहीं छोड़ती भले ही वह चाहे विश्व गुरू हो या विश्व चेला। राष्ट्रीय सुरक्षा के इस प्रश्न पर अभी तक संघ प्रमुख का कोई बयान या प्रतिक्रिया सुनने को नहीं मिली। यह आश्चर्यजनक भी है और यह भी कि ड्रोन कम ऊँचाई पर उड़ता है अतः रडार की पकड़ में नहीं आ पाते। अतः इसके लिये विशेष रडार तैयार करने होंगे।

अभी दो माह पूर्व फिलिस्तीन और इजराइल के बीच अल्पकालिक अघोषित युद्ध हुआ उसमें भी मिसाइल तकनीकी हथियारों का बड़े पैमाने पर प्रयोग हुआ यह तो इजराइल के सुरक्षा तंत्र की तैयारी और खूबी थी कि उन्होंने पहले ही ऐसी मिसाइल प्रतिरोधी क्षमता और रक्षा कवच विकसित कर लिया था जिससे फिलिस्तीन की ओर से आने वाली मिसाइलें फिलिस्तीन में ही नष्ट कर दी गई। इससे हमलावर को स्वतः उसकी क्षति को सहना पड़ा। परन्तु भारत अभी तक ऐसी कोई प्रतिरोधक प्रणाली विकसित नहीं कर सका है जिस प्रकार के प्रभावी रडार इजराइल द्वारा पहले से तैयार कर लिए गये। वैसे इस प्रकार के यंत्रों के भारत सैन्य सामग्री में विकसित होने की सूचना नहीं है। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जब तक मुकाबला जमीनी युद्ध का था या जिसे पारंपरिक युद्ध कहा जाता है उन तरीकों का या तब तक भारत पाकिस्तान से हर मामले में शक्तिशाली था। और यही कारण है कि कश्मीर में 1947 में कबाईली आक्रमण के समय, 1965 में, 1971 में और 2000 में सैन्य आक्रमण में भी भारत विजयी रहा। परंतु परमाणु परीक्षण के बाद अब भारत और पाक दोनों एक अर्थ में परमाणु शक्ति संपन्न देश बन गये है।

गाती है मल्हार जिंदगी पल पल सावन होता है !

गाती है मल्हार जिंदगी, पल-पल सावन होता है !!प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ योगेंद्रनाथ शर्मा अरुण की ये पंक्तियां आध्यात्मिक ता और प्रकृति का ऐसा संगम है जिसमे से तीज की खुशी झांकती नजर आती है।हरियाली तीज का विशेष महत्व है।इस दिन सुहागिनें व्रत रखकर अपने पति की लंबी आयु और स्वयं अखंड सौभाग्यवती बने रहने के लिए भगवान शिव और मां पार्वती का पूजन करती हैं। हरियाली तीज का उपवास सावन मास की शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को रखा जाता है। इस तिथि को ही माता पार्वती और भगवान शिव को दोबारा मिलन हुआ था।इसलिए इसे सुखद उत्सव के रूप में मनाया जाता है। लड़कियां यह उपवास मन वांछित वर की प्राप्ति के लिए रखती है।

हरियाली तीज उपवास की पूजा 11 अगस्त को सुबह 4 बजकर 24 मिनट से 5 बजकर 17 मिनट तक है। उसके बाद दोपहर 2 बजकर 30 मिनट से 3 बजकर 7 मिनट तक है।इस दिन रवि योग भी बन रहा है।ये सुबह 10 बजकर 42 मिनट से शुरू होकर रात तक रहेगा।हरियाली तीज उपवास पूजा के लिए पीला वस्त्र, केला के पत्ते, जनेऊ, कच्चा सूत, नए वस्त्र, बेलपत्र, धतूरा, भांग, कपड़ा, एक जोड़ी जनेऊ/यज्ञोपवीत भगवान शिव और गणेश जी को चढ़ाए और मां पार्वती को एक हरी साड़ी, सुहाग का 16 श्रृंगार सामान से माता पार्वती की पूजा करे।16 श्रृंगार में सिंदूर, बिंदी, बिछुआ, मेहंदी, चूडियां, महौर, खोल, कुमकुम, कंघी, इत्र आदि शामिल हैं। इसके अलावा, कलश, अक्षत, दूर्वा, तेल, घी, कपूर, अबीर, श्रीफल, चंदन, गाय का दूध, गंगाजल, दही, चीनी, शहद और पंचामृत चीजें भी हरियाली उपवास पूजा के लिए आवश्यक है।

उपवास और पूजा अर्चना के साथ ही सावन मस्ती का महीना भी है।जिसमे तीज पर लड़कियां और महिलाएं झूला भी झूलती है।इसके लिए किसी वृक्ष या गैलरी में झूला डालकर उन्मुक्त हवाओ की सैर करती है । सावन के लोकगीत भी बहुत चर्चित है जिन्हें गाकर भारतीय संस्कृति को जिंदारखने की कोशिश की जाती है। हरियाली तीज पर प्रायः रिमझिम बरसात रहती है। बारिश की फुहारों के साथ सावन के झूले आनन्ददायक बन जाते है। लेकिन अब झूले भी अतीत बनकर रह गए है। सावन के महीने का खास व्यंजन घेवर है। जिसे खाने का अलग ही मजा है। इस माह मंदिरों व अन्य धार्मिक स्थलों पर भागवत की कथाएं भंडारे होते रहते हैं। विवाहित महिलाएं अपने मायके जाकर यह त्यौहार मनाती हैं तो नवविवाहिताओं को सिंधारा भेजा जाता है। सावन का महीना भगवान शिव की स्तुति का खास अवसर है।सावन माह में प्रकृति भी हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। तब हर किसी के मन में उन्मुक्तता की खुशी झलकती हैं यह आस्था, सौंदर्य और प्रेम का उत्सव है।चारों तरफ हरियाली होने के कारण इसे हरियाली तीज कहते हैं इस अवसर पर महिलाएं झूला झूलती हैं, गाती हैं और खुशियां मनाती हैं।महिलाएं इस दिन 'उमामहेश्वरसायुज्य सिद्धये हरितालिका व्रतमहं करिष्ये' मंत्र का जाप करती है इस व्रत को पूर्ण निष्ठा से करने पर प्रत्येक स्त्री को वांछित फल मिलता है भगवान शिव ने पार्वती जी को वरदान दिया था कि इस व्रत को जो भी स्त्री पूर्ण श्रद्धा से करेंगी उसे तुम्हारी तरह अचल सुहाग की प्राप्ति होगीतीज के अवसर पर विवाहिताए अपने मायके जाना चाहती हैं ।एक गीत भी है, 'बहुत दिना हो गए पिया मोय, सावन शुगन मनाऊंगी, भैया आयो मोय लिवावे, मैं पीहर कू जाऊंगी।'वही 'कच्चे नीम की निबौरी, सावन जल्दी अईयो रे, अम्मा दूर मत दीजौ, दादा नहीं बुलावेंगे, भाभी दूर मत दीजौ, भइया नहीं बुलावेंगे।'सावन में खूब गुनगुनाया जाता है।गांव में झूले पर झूलती हुई लड़कियों को देखकर उनके मन की उन्मुक्तता का अहसास होता है। लड़कियां पेड़ व मुंडेरों पर बैठी हुई चिड़ियों को देखकर अपने मन के भाव को कुछ यूं प्रकट करती हैं ,

'पेड़ पै दो चिड़ियां चूं-चूं करती जाएं, वहां से निकले हमारे भइया, क्या-क्या सौदा लाए जी, मां को साड़ी, बाप को पगड़ी और लहरिया लाए जी, बहन की चुनरी भूल आए, सौ-सौ नाम धराए जी।'सावन के लोकगीत के संवाद भी निराले है," हे री काहे की तेरी मात, काहे के तेरे वीर, तू झूले अपने सासरे री।" झूला झूलती महिलाओं में कोई लंबी पीगें बढाती है तो कोई झोंटा देकर उन्हें हवा में उछालती हैं। महिलाएं गाती हैं, "झूला तो पड़ गए अमुआं की डार पै ।"तीज पर राधा-कृष्ण को भी कुछ इस तरह याद किया जाता है ,

"आया सावन, बड़ा मन भावन, रिमझिम सी पड़े फुहार, राधा झूल रही कान्हा संग,दिल हुआ बाग बाग।"सच मे सावन और उसमें भी तीज महिलाओं की खास खुशी व साधना का पर्व है।जिसमे महिलाओं की भक्ति, गायन,उन्मुक्तता साफ झलकती है।यह परंपरा जीवित रहे तभी भारतीय संस्कृति, संस्कार जिंदा रह सकते है।

!! सुहागिनों का सौभाग्य व्रत है हरियाली तीज...!!

विनोद कुमार

हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है , सनातन धर्म हमारी आस्था है और वेद-पुराणों की वाणी हमारे जीवन का अवलंबन है । अपनी संस्कृति को संजोए रखना हमारी महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है । यह कार्य हमारे देश की महिलाएं पूरी आस्था , श्रद्धा और विश्वास के साथ कर रही हैं । यही हमारी सनातन संस्कृति है । यह सर्वविदित है कि हमारी सनातन संस्कृति दुनिया की सर्वश्रेष्ठ संस्कृति है । दुनिया की तमाम सभ्यताएं हमारी पुरातन संस्कृति से पल्लवित और पुष्पित हुई हैं । गीता , वेद और पुराणों की आस्था , श्रद्धा और विश्वास पर टिका हमारा समाज और देश प्रेम , बंधुत्व , सौहार्द और परंपरा का अद्भुत संगम है । अनेकता में एकता समेटे हुए हमारे देश में पूरे वर्ष विभिन्न त्योहारों का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ किया जाता । श्लोकों और मंत्रोच्चारण से गूजती दिशाओं का दृश्य अनुपम और अलौकिक होता है । भारत त्योहारों का देश है , त्योहारों की एक लम्बी फेहरिस्त में हरियाली तीज एक ऐसा व्रत है जो विशेषतः सुहागिन स्त्रियों के लिए है । हरियाली तीज का यह व्रत सुहागिन स्त्रियां अपने पति की दीघार्यु और उनके सुखी जीवन की कामना के लिए रखती हैं । हरियाली तीज का यह उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है । यह उत्सव महिलाओं का उत्सव है , सुहागन स्त्रियों के लिए यह व्रत काफी मायने रखता है । ऐसी मान्यता है कि आस्था, उमंग, सौंदर्य और प्रेम का यह उत्सव शिव-पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है । प्रकृति में चारों तरफ हरियाली होने के कारण इस पर्व को हरियाली तीज कहते हैं । इस त्यौहार पर महिलाएं झूला झूलती हैं, लोकगीत गाती हैं , खुशियां मनाती हैं और एकसाथ मिलकर भजन गाती हैं । हरियाली तीज में महिलाएं पूरा दिन निराहार और निराजल यानि बिना भोजन और जल के ग्रहण किए रहती हैं । और दूसरे दिन ऊषाकाल में स्नान और पूजा के बाद व्रत का समापन करती हैं ।

सावन की हरियाली तीज का पौराणिक महत्त्व भी रहा है । एक धार्मिक किवदंती के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त करने के लिए इस व्रत का अनुष्ठान किया था और उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर ही माता पार्वती के 108 वें जन्म के बाद भगवान शिव वरदान स्वरुप माता पार्वती को पति के रुप में प्राप्त हुए थे। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माँ पार्वती का भी पूजन करती हैं। इस पौराणिक कथा के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का जाप किया था :

हे गौरीशंकर अर्धांगी
यथा त्वां शंकर प्रिया।
तथा माम कुरु कल्याणी कान्तकांता सु दुर्लभम।।

वर्तमान समय में भी कुंवारी लड़कियां मनचाहे और योग्य वर की प्राप्ति के लिए इस मंत्र का जाप करती हैं ।

हरियाली तीज का सबसे बड़ा प्रभावशाली गुण यह कि यह व्रत मन में क्रोध को नहीं आने देता। सभी व्रती महिलाएं बेहद गंभीर तथा आस्था और श्रद्धा में लीन रहती हैं । इस त्यौहार पर महिलाएं अपने हाथों में मेहंदी रचाती हैं। महिलाओं को शांतचित्त रखने में मेंहदी का औषधीय गुण की अत्यंत सहायक होता है। इस व्रत में सास और परिवार के बड़े सदस्य नव विवाहित महिलाओं को वस्त्र , हरी चूड़ियां, श्रृंगार सामग्री और मिठाइयां भेंट करती हैं। इसका अभिप्राय यह होता है कि दुल्हन का श्रृंगार और सुहाग हमेशा बना रहे और वंश की वृद्धि हो। हरियाली तीज का त्यौहार भारत के कोने-कोने में मनाया जाने वाला एक महत्वपूर्ण त्यौहार है । यह त्यौहार भारत के उत्तरी क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है । सावन का आगमन ही इस त्यौहार के आने की आहट है । ऐसा लगता है कि समस्त सृष्टि सावन के अदभूत सौंदर्य में भिगी हुई सी नजर आती है । इन दिनों सुहागिन स्त्रियों के हाथों में रचि मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती इस न्यनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर गीत बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है । चूंकि यह समय वर्षा का होता है लिहाजा वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं । इस समय प्रकृति में हर तरफ हरियाली की चादर सी बिछी होती है और शायद इसी कारण से इस त्यौहार को हरियाली तीज कहा जाता है । देश के पूर्वी इलाकों में लोग इसे हरियाली तीज के नाम से जानते हैं । इस समय प्रकृति की इस छटा को देखकर मन पुलकित हो जाता है ।

अपने सुखी दांपत्य जीवन की कामना के लिये सुहागिन स्त्रियों द्वारा मनाया जाने वाला यह व्रत घर-घर में अपार खुशियां लेकर आता है । यह व्रत पूरे दिन उपवास रह कर भगवान शंकर और माता पार्वती की बालू से मूर्ति बनाकर षोडशोपचार पूजन किया जाता है जो रात्रि भर चलता है । सुंदर वस्त्र धारण किये जाते है तथा कदली स्तम्भों से घर को सजाया जाता है । इसके बाद मंगल गीतों से रात्रि जागरण किया जाता है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पार्वती के समान सुख प्राप्त होता है ।

हरियाली तीज का यह व्रत सिर्फ सुहागिन स्त्रियों के लिए ही श्रेयस्कर नहीं है अपितु यह हमारी पुरातन संस्कृति और सभ्यता को जीवन्त रखने का मार्ग भी है । आज के भौतिकवादी युग में मनुष्य के पास अपनी संस्कृति और सभ्यता को संजोकर रखने का समय नहीं है । शहरों की बेहताशा भीड़-भाड़ और भाग-दौड़ भरी जीवनशैली में अपनी इतिहास के पन्ने पलटने का समय किसी के पास नहीं है । जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी पुरानी संस्कृति को संजोए रखने का जज्बा आज भी कायम है । तीज-त्योहार पर जो हर्षोल्लास गांव में देखने को मिलता है वह रौनक शायद शहरों से गायब है । आज की पीढ़ी यह भूल गई है कि सौम्यता, विनम्रता और सौंदर्य अपनी पुरानी संस्कृति और सभ्यता में ही निहित है । तीज-त्योहार का आना और उनका अनुष्ठान करना सिर्फ आस्था , श्रद्धा , विश्वास और भक्ति के लिए ही नहीं है बल्कि इन तीज-त्योहार के आधार पर ही हमारी संस्कृति टिकी है । तीज-त्योहारों को नियमित रूप से मनाया जाना हमें हमारी सनातन धर्म और संस्कृति की याद दिलाता है । अपनी संस्कृति को जीवंत रखने का तीज-त्योहार एक सशक्त माध्यम है और हमारे देश की महिलाएं इन धार्मिक प्रथाओं का अनुष्ठान कर इसे सजीव रखी हुई हैं । सामाजिक स्थिरता और सुख-शांति के लिए भी व्रत और तीज-त्योहारों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

यूपी में साप्ताहिक बंदी से मिलेगी राहत, सीएम योगी ने गाइडलाइन जारी करने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए राहत देने वाली खबर है। अब प्रदेशवासियों को दो दिन की साप्ताहिक बंदी से भी छुटकारा मिल सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इस संबंध में गृह विभाग विस्तृत गाइडलाइन जारी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोविड की नियंत्रित स्थिति को देखते हुए दो दिवसीय साप्ताहिक बंदी में आंशिक छूट दिए जाने पर विचार किया जा सकता है, लेकिन प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक दशा में कोविड प्रोटोकाल का सख्ती से पालन कराया जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीम-9 की बैठक में साप्ताहिक बंदी की नई व्यवस्था के संबंध में समुचित दिशा-निर्देश प्रस्तुत करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि कहीं भी अनावश्यक भीड़भाड़ न हो। पुलिस पेट्रोलिंग सतत जारी रहे। सरकार भी चाहती है कि आमजन को हर तरह से राहत मिले, लेकिन स्वास्थ्य की चिंता भी करनी ही होगी। प्रदेश में कोरोना महामारी की दूसरी लहर पर प्रभावी नियंत्रण बना हुआ है। बुधवार को अलीगढ़, अमेठी, चित्रकूट, एटा, फिरोजाबाद, गोंडा,

हाथरस, कासगंज, पीलीभीत, प्रतापगढ़, शामली और सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। ये जिले कोविड संक्रमण से मुक्त हैं। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर प्रलयकारी हुई तो लाकडाउन में देश के अन्य राज्यों की तरह प्रदेश में भी विभिन्न गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी गईं। बाजारों या सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ रोकने के लिए चरणवार तरीके से शुक्रवार, शनिवार और रविवार की साप्ताहिक बंदी लगा दी गई। फिर जब कोरोना का प्रभाव कम हुआ तो सरकार ने बाजार, मॉल, मल्टीप्लेक्स, दफ्तर खोलने के साथ साप्ताहिक बंदी को भी घटाकर दो दिन का कर दिया। अब चूंकि प्रदेश में कोरोना पूरी तरह से काबू में नजर आ रहा है, इसलिए सरकार ने माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई शुरू करने का भी फैसला कर लिया। कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर प्रलयकारी हुई तो लाकडाउन में देश के अन्य राज्यों की तरह प्रदेश में भी विभिन्न गतिविधियां प्रतिबंधित कर दी गईं। बाजारों या सार्वजनिक स्थानों पर भीड़भाड़ रोकने के लिए चरणवार तरीके से शुक्रवार, शनिवार और रविवार की साप्ताहिक बंदी लगा दी गई। फिर जब कोरोना का प्रभाव कम हुआ तो सरकार ने बाजार, मॉल, मल्टीप्लेक्स, दफ्तर खोलने के साथ साप्ताहिक बंदी को भी घटाकर दो दिन का कर दिया। अब चूंकि प्रदेश में कोरोना पूरी तरह से काबू में नजर आ रहा है, इसलिए सरकार ने माध्यमिक और उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई शुरू करने का भी फैसला कर लिया। बदा दें कि उत्तर प्रदेश में धीरे-धीरे लगभग सभी प्रतिबंध खत्म हो चुके हैं। ऐसे में लोगों को साप्ताहिक बंदी से भी राहत का इंतजार है। व्यापारी और कारोबारी इसलिए ऐसा चाहते हैं, क्योंकि अधिकांश नौकरीपेशा लोग वीकेंड पर ही खरीदारी के लिए निकलते हैं। उन दो दिनों में व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहने से कारोबार प्रभावित हो रहा है। वहीं, आमजन की समस्या भी इसी से जुड़ी है। बाकी दिन कामकाज के होते हैं। शनिवार और रविवार ही खरीदारी आदि के लिए मिलते हैं।

75 वें स्वाधीनता पर एबीवीपी 150 गांवो में फहराएगी तिरंगा

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा गांव-गांव जाएंगे तिरंगा फहराएंगे अभियान के तहत 75 वें स्वाधीनता दिवस के अवसर पर काशी जिले के 150 गांवों में तिरंगा झंडा फहराया जाएगा। गंगापुर में बुधवार को एबीवीपी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप उपस्थित विभाग प्रमुख विनय पांडेय ने बताया कि देश में राष्ट्रवाद की अलख को पुनः जीवंत करने हेतु देश की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर एक गांव एक तिरंगा पूरे देश में आह्वान किया गया हैं।इस अभियान को सीमावर्ती सुदूर क्षेत्रों के जन-जन तक पहुंचाना है जिला संयोजक अश्वनी कुमार सिंह ने बताया कि इसी कड़ी में एबीवीपी द्वारा काशी जिले भर में 150 स्थानों पर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया जाएगा।साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को भी सम्मानित किया जाएगा।योजना में वर्ष भर एबीवीपी 75 कार्यक्रम करेगी।जिसमें रक्तदान का भी कार्यक्रम किया जाएगा। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्वेता मिश्रा ने बताया कि हमारे कार्यकर्ता वृद्ध आश्रम, अनाथ आश्रम में तिरंगा एवं मिष्ठान वितरण का कार्यक्रम करने के साथ ही आगामी दिवस में महिलाओं की सुरक्षा के लिए जिले में मिशन साहसी का कार्यक्रम भी चलाया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा संपन्न

प्रखर जखनियां गाजीपुर। जवाहर नवोदय विद्यालय के कक्षा 6 में प्रवेश के लिए बुद्धवार को परीक्षा आयोजित की गयी । जखनियां स्थित सन साइन सिनियर सेकेंड्री स्कूल पर बने परीक्षा केंद्र पर 1031 परीक्षार्थियों के लिए स्कूल के 86 कमरों में बच्चों ने परीक्षा दिया। परीक्षा केंद्र पर 481 छात्र अनुपस्थित रहे।प्रवेश परीक्षा के लिए गाइडलाइन के मुताबिक सुबह साढे ग्यारह बजे से डेढ बजे तक प्रवेश परीक्षा हुई। जखनियां केंद्र पर परीक्षा शुरू होने के आधे घंटे पहले से हुई बारिश में बच्चे भीगते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचे। परीक्षा सख्ती के मद्देनजर परीक्षा केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट मौजूद रहे । जवाहर नवोदय विद्यालय समिति के तरफ से आये निरीक्षक ने प्रवेश परीक्षा के बाद सभी परिक्षार्थियों के ओएमआर सीट सील कर अपने साथ ले गये। केन्द्र पर शांति व्यवस्था के निमित्त स्थानीय भुड्कुडा पुलिस मौजूद रही। विद्यालय के प्रबंधक विपिन सिंह ने बताया कि गाइडलाइन के अनुरुप प्रवेश परीक्षा संपन्न करायी गयी।

रेलबे क्रासिंग का गेट तोड़ते हुए पशु तस्करों के वाहन ने पुलिस की गाड़ी में मारी टक्कर

प्रखर जौनपुर। जलालपुर - थानागद्दी मार्ग पर रात करीब दो बजे लालपुर गांव के समीप स्थित रेलबे क्रासिंग का गेट तोड़ते हुए पशु तस्करों के वाहन ने पुलिस की गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दिया।टक्कर से वाहन में बैठा एक कांस्टेबल घायल हो गया और पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई । तथा तस्कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए मौके से फरार हो गए। होम बूम टूटने के बाद ट्रेनों को स्लाइडर बूम के माध्यम से पास कराया जा रहा है।रात में एसआई रामविलास मय हमराही गस्त कर रहे थे तभी सिंधौरा वाराणसी कंट्रोल से पशु तस्करों के थानागद्दी की तरफ भागने की सूचना प्रसारित हुई।इस सूचना पर तस्करों की घेरा बंदी करने के लिए पुलिस जलालपुर से थानागद्दी की तरफ जा रही थी।लालपुर रेलबे क्रासिंग ट्रेन पास कराने के लिए बंद था।पुलिस क्रासिंग पर वाहन खड़ा कर गेट खुलने का इंतजार कर रही थी उसी समय तस्करों की पिकअप संख्या यूपी 50 डिटी 0542 रेलबे का दोनों बूम तोड़ते हुए पुलिस के वाहन में जोरदार टक्कर मार दिया।पुलिस अपना बचाव करते हुए तस्करों को पकडना चाहा लेकिन तीन तस्कर अंधेरे का लाभ उठाते हुए फरार हो गए।पुलिस वाहन में टक्कर लगने से कांस्टेबल विजय मौर्य घायल हो गए।जिनका उपचार पीएचसी जलालपुर में कराया गया।पुलिस ने पिकअप में लदी तीन भैस समेत वाहन को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही करने में जुट गई है।

कछवा के अधिशासी अधिकारी को मिला अहरौरा नपा का अतिरिक्त प्रभार

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। कछवा नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी नवनीत कुमार सिंह को नगर पालिका परिषद अहरौरा के अधिशासी अधिकारी पद का अतिरिक्त प्रभार जिलाधिकारी ने बुधवार को सौंपा । बता दें कि नगर पालिका परिषद अहरौरा के अधिशासी अधिकारी का पद एक अप्रैल से खाली चल रहा है । यहां अधिशासी अधिकारी न होने के कारण कार्य प्रभावित हो रहा था लंबे अरसे से यहां के लोगों द्वारा अधिशासी अधिकारी भेजे जाने की मांग की जा रही थी ।

हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया शिव उत्सव

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। शिव उत्सव वाटिका गंगेश्वर नाथ चुनार में रोटरी क्लब वाराणसी के महिला पदाधिकारियों द्वारा शिव उत्सव का कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर भगवान शिव की आकर्षक झांकी सजाकर महिलाओं ने शिव गीत गाया एव डांडिया भी किया । कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में आयोजकों ने बताया कि कोबिट को देखते हुए कार्यक्रम को बहुत भव्य रुप से न करके पदाधिकारियों द्वारा आपस में ही किया जा रहा है । इस अवसर पर रोटरी क्लब की अध्यक्ष मीना सिंह संयोजक स्वाति अग्रवाल ,अलका पोद्दार ,पूनम अग्रवाल ,श्वेता खरे ,रचना जैन ,सपना खंडेलवाल , संगीता अग्रवाल ,संध्या अग्रवाल ,मिलन अग्रवाल , डॉ तृप्ति रस्तोगी ,सरिता अग्रवाल सहित अन्य समूह की पदाधिकारी लोग उपस्थित रही ।

जीत बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद की देन- ललित

प्रखर वाराणसी। ओलंपियन ललित उपाध्याय के वाराणसी पहुचने पर काशीवासियों ने भव्य स्वागत किया। एयरपोर्ट लाउंज में मंत्री रविन्द्र जायसवाल के साथ भजपा नेता प्रभात सिंह मिंटू , डॉ जेपी दुबे, भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शैलेश पांडेय, ललित के गुरु परमानन्द मिश्रा व हाकी संघ के तमाम पदाधिकारी व खेल प्रेमियों ने बाबतपुर एयरपोर्ट के अंदर व बाहर भव्य स्वागत किया। उसके बाद दर्जनो गाड़ियों व प्रशंसकों के साथ शहर को रवाना हुए। एयरपोर्ट से निकलने पर एयरपोर्ट तिराहे पर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने 40 साल से सूखे को खत्म होने के सवाल पर कहाकि बाबा विश्वनाथ की कृपा और माता पिता, गुरु व मित्रों के सहयोग व बड़ो के आशीर्वाद से सम्भव हो पाया है। पीएम मोदी के योगदान व उत्साह वर्धन को कभी नही भुलाया जा सकता। प्रभात सिंह मिंटू ने गले से लिपटकर मित्र को जीत की शुभकामनाएं दी। ओलंपिक खिलाड़ी के एयरपोर्ट पहुचने की सूचना पर खेलप्रेमी सुबह 11 बजे ही एयरपोर्ट पहुच गए थे।

तेज रफ्तार ट्रक आगे जा रही ट्रक से भिड़ी चालक घायल

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। वाराणसी शक्तिनगर रोड पर चुनार चौराहे के पास बुधवार की सुबह वाराणसी से सोनभद्र की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक अपने आगे जा रही ट्रक से भीड़ गयी जिसके कारण चालक अनिल यादव उम्र 25 वर्ष पुत्र शैलेन्द्र यादव निवासी धनशाई जिला बक्सर बिहार केबिन में फस गया जिस पर राहगीरों ने तत्काल अपने स्तर से उसे निकालने का प्रयास किया पर वह असफल रहे वहीं सूचना पर पहुंचे डायल 112 के सिपाही रिशु यादव ने तत्काल दिलेरी दिखाते हुए केबिन फंसे ड्राइवर को नागरिकों की मदद से बाहर निकाला वर्दी पर फोन लगने की परवाह किए बगैर घायल के पैर से हो रहे रक्त स्राव को तत्काल अपने गमछे से बांधकर रोकने का प्रयास किया वही वाहन से घायल सिपाही

को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया । जहां प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेन्टर वाराणसी रेफर कर दिया गया चौकी प्रभारी कुंवर मनोज सिंह ने बताया कि आगे जा रही ट्रक ब्रेकर पर ब्रेक लिया की पीछे से आ रहीं ट्रक भीड़ गई।

कुशीनगर के सीएमएस सहित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में जिला अस्पताल के सीएमएस, पैथालॉजिस्ट, एसएलटी सहित छह के खिलाफ पडरौना कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। इन लोगों पर यह मुकदमा आपदा प्रबंधन में लापरवाही, किसी शख्स के वायरस से इफेक्शन द्वारा दूसरे व्यक्ति की जान जोखिम में डालने और किसी के द्वारा बीमारी फैलाने के लिए लापरवाही भरा कार्य करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है । जानकारी के अनुसार कुशीनगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की तरफ से आठ अगस्त को पडरौना के कोतवाल को तहरीर देकर बताया गया था कि जिला चिकित्सालय में स्थापित आरटीपीसीआर लैब में कोविड जांच के लिए सैंपल भेजा गया।

करण्डा में कटान रोकने की कवायद शुरू

तेजी से बढ़ रहे गंगा के जलस्तर को देखते हुए एसडीएम ने प्रधान व सीडीओ को दिया निर्देश

प्रखर करण्डा (गाजीपुर)। तेजी से बढ़ रहे गंगा के जलस्तर को देखते हुए कटान रोकने की कवायद शुरू हो गई है। क्षेत्रवासियों द्वारा सोशल मीडिया व इंटरनेट के जरिये प्रशासन को अवगत कराया गया। जिसको संज्ञान में लेते हुए एसडीएम ने ग्राम प्रधान बबलू खरवार व सीडीओ शिव प्रकाश त्रिपाठी को निर्देशित किया कि कटान रोकने के लिए हर संभव प्रयास हो।

तत्पश्चात प्रधान व सीडीओ ने बंदीपट्टी (करण्डा) में जेसीबी से मिट्टी की खुदाई करवाकर बांध बनाये जाने का कार्य शुरु कराया। प्रशासन द्वारा बाढ़ को रोकने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

इस दौरान ग्राम प्रधान बबलू खरवार, सीडीओ शिव प्रकाश त्रिपाठी, सूर्यकांत यादव (छद्दू), गब्बर खां, अभय यादव, अजय पासवान समेत क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

शाही ईदगाह कमेटी ने फारूके आजम हजरत उमर की शहादत पर लगाया ईदगाह में दो दर्जन पेड़

प्रखर जौनपुर। मुहर्रम का चांद नजर आते ही इस्लामी नववर्ष 1441 शुरू होने के मौके पर मछली शहर पडाव स्थित ऐतिहासिक शाही ईदगाह में विशेष दुआ कराई गई। इस दौरान इस्लाम धर्म के दूसरे खलीफा हजरत उमर फारूक रजी0 को भी याद किया गया।

काबिले जिक्र है कि एक मुहर्रम के दिन ही हजरत उमर फारूक शहीद हुए थे। इस मौके पर मीडिया प्रवक्ता रियाजुल हक ने कहा कि हमारी दुआ है कि इस्लामी नववर्ष दुनिया भर के लिए अमन-भाईचारे वाला रहे। उन्होंने मुसलमानों के दूसरे खलीफा हजरत उमर फारूक रजी0 की जीवनी पर रोशनी डालते हुए कहा कि विश्व भर में आज भी उमर-ए-फारूक का इंसाफ मिसाल है। फारूकी दौर में ही दुनिया भर के इंसानों के लिए अहम फैसले किए गए, जिससे इंसानियत का सर बुलंद हुआ। नेयाज ताहिर शेखू ने कहा कि हजरत उमर फारूक की जीवनी हम सब के लिए प्रेरणा

का स्त्रोत है। फारूकी दौर दुनिया में आज भी याद किया जाता है। मो शोएब ने कहा कि मुहर्रम का चांद नजर आते ही इस्लामी नव वर्ष का आगाज हो गया है। आने वाली 10 तारीख को यौम-ए-आशूरा का दिन मनाया जाएगा। आशूरा का दिन इस्लाम में बहुत अहमियत रखता है। इसी दिन प्यारे नबी हजरत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैही वसल्लम के नवासे हजरत इमाम हुसैन रजीअल्लाह अनहु ने मैदान-ए-करबला में सच्चाई का परचम बुलंद करते हुए शहादत का जाम पिया था। इस मौके पर शाही ईदगाह मे पेड लगाया गया।

घर से भागकर की शादी देह व्यापार का विरोध करने पर पति ने दिया तीन तलाक

नोएडा। बिजनौर जिले के नहटौर थाना क्षेत्र के एक गांव में मां की मौत के बाद पिता ने नाबालिग बेटी से दुष्कर्म किया। परेशान किशोरी घर छोड़कर अमरोहा में एक पेट्रोल पंप पर आ पहुंची। पंप स्वामी ने उसका निकाह नोएडा निवासी एक पंपकर्मी के साथ करा दिया। आरोप है कि पति ने भी उसे देह व्यापार की दलदल में धकेल दिया। विरोध जताने पर तीन तलाक दे दिया। पीड़िता ने डीआईजी को शिकायती पत्र भेजते हुए कार्रवाई की मांग की है। बिजनौर जिले के नहटौर थाना क्षेत्र के एक गांव की किशोरी की मां की मौत हो गई थी। इसके बाद पिता उसका शारीरिक शोषण करने लगा। पीड़िता ने पिता पर दुष्कर्म करने का आरोप भी लगाया है। उधर, पिता के उत्पीड़न से तंग पीड़िता चार महीना पहले अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप पर आ पहुंची। यहां उसका निकाह पंप स्वामी ने नोएडा के दादरी निवासी अपने कर्मचारी के साथ करा दिया।

शिक्षक भर्ती की मांग कर रहे अभ्यर्थी पानी की टंकी पर चढ़े, पद बढ़ाने की मांग पर अड़े

लखनऊ। शिक्षा विभाग में रिक्त सभी पदों की भर्ती किए जाने को लेकर अभ्यर्थियों का प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा। बुधवार को प्रदर्शन कम ड्रामा ज्यादा देखने को मिला। अभ्यर्थी एससीईआरटी कार्यालय स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गए और दौरान नौकरी की मांग करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने अभ्यर्थियों को काफी समझाने का प्रयास किया, मगर उन्होंने किसी की एक न सुनी। सुबह 11 बजे शुरू हुआ प्रकरण दोपहर तक जारी रहा। इससे पहले मंगलवार को अभ्यर्थियों ने पहले शिक्षा निदेशालय का फिर भाजपा कार्यालय का घेराव करने का प्रयास किया था। मगर भाजपा कार्यालय के पास पहुंचने से पहले पुलिस ने उन्हें रोक लिया। विरोध के दौरान महिला अभ्यर्थी सड़क पर लेट गईं थी और नौकरी की मांग को लेकर नारेबाजी करने लगीं थीं। अभ्यर्थियों का कहना था कि न्यायालय ने 1.37 लाख पदों को दो भर्ती प्रक्रिया के तहत भरने का आदेश दिया था, ऐसे में शेष पद अगली भर्ती में क्यों? अभ्यर्थियों का यह भी कहना थ कि सरकार के अनुसार प्रदेश में करीब ढाई लाख पद खाली हैं, इनमें 22 हजार खाली पदों के अलावा भी तमाम पद ऐसे हैं जिन पर सरकार भर्ती कर सकती है। इसके अलावा बहुत से बीएड अभ्यर्थियों के पास यह अंतिम मौका था, क्योंकि उम्र के कारण बीएड के लिए 2011 के बाद कोई भर्ती प्राइमरी में नहीं आई। बहुत से अथ्यर्थी 15 वर्ष पूर्व पढ़ रहे थे, उनके शैक्षिक ज्ञान और मौजूदा समय में पढ़े अभ्यर्थियों के शैक्षिक ज्ञान में काफी असमानता है, ऐसे में सरकार द्वारा प्रक्रिया के तहत तीन अंक देना कमजोर एकेडमिक वालों को भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर देना। बता दें कि इससे पहले बेरोजगार युवक युवतियां काफी दिनों से राजधानी में जगह जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। मंगलवार को इन्होंने शक्ति भवन के सामने प्रदर्शन किया। इससे पहले विधान भवन और भाजपा कार्यालय के आगे भी कई बार प्रदर्शन कर चुके हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि जब तक सरकार उनकी मांगे पूरी नहीं करेगी वे प्रदर्शन जारी रखेंगे।

महंगाई, किसानों और बुनकरों की समस्या, को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन जारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी के दिशा निर्देश पर व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के नेतृत्व में व प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ शाहनवाज आलम साहब के दिशा निर्देश पर महंगाई, बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार ,प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, किसानों और बुनकरों की समस्या, को लेकर पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ उसकी नीतियों के खिलाफ 9 अगस्त से कांग्रेस का प्रदेशव्यापी आंदोलन "भाजपा गद्दी छोड़ो "चलाया जा रहा है । जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, से त्रस्त आम जनता ने भरपूर समर्थन दिया और इस कार्यक्रम को कामयाब किया वही इस कार्यक्रम के तहत बनारस में कांग्रेस कमेटी की तरफ से संघर्षशील और मेहनती लोकप्रिय नेता अजय राय जी और महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भाई राघवेंद्र चौबे के नेतृत्व में इस कार्यक्रम को 3 दिनों तक विधानसभा स्तर पर चलाएं गया

जिसमें सोमवार को कैंट विधानसभा मंगलवार को दक्षिण विधानसभा और आज इस कार्यक्रम के अंतिम दिन भाजपा गद्दी छोड़ो मार्च को माननीय अजय राय जी के नेतृत्व में भाई राघवेंद्र चौबे के नेतृत्व में उत्तरी विधान सभा भोजुबीर में राजश्री की प्रतिमा से निकालते हुए इंग्लिशिया लाइन पर कमलापति त्रिपाठी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रगान के साथ समाप्त किया गया। इन तीनों दिन में सभी की मेहनत से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक खत्म हुआ खास तौर पर इसमें कांग्रेस के सभी फ्रंटल संगठन सभी पदाधिकारी संभावित विधानसभा प्रत्याशी वर्तमान और पूर्व पार्षदगण शामिल रहे आप सभी लोगों का तमाम कार्यकताओं का और आम जनता का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हृदय से आभार धन्यवाद। खास तौर पर इस कार्यक्रम में तीनों दिन में जिस तरह कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की जिले की टीम ने मजबूती के साथ भागीदारी की और आज भी भोजुबीर से लेकर इंग्लिश लाइन तक अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के मेरे साथी इस कार्यक्रम में शामिल रहे हैं आप सभी प्रकोष्ठ के लोगों का भी विशेष आभार और धन्यवाद । हमारी लड़ाई इस फासीवादी जनविरोधी और विभाजन कारी सत्ता के खिलाफ जारी रहेगी यह एक मजबूत और निर्णायक लड़ाई का आगाज है हम तब तक चुप नहीं बैठेंगे जब तक इस जनविरोधी सरकार को सत्ता से बेदखल ना कर दे। आज के इस कार्यक्रम में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ की तरफ से प्रदेश सचिव अब्दुल माजिद ,जाहिद खान, अब्दुल कवी अंसारी ,मोइनुद्दीन अंसारी, तौसीफ अंसारी, इकबाल कुरैशी ,सरताज अहमद, अत उल्ला खान ,कैसर जहां ,रिजवाना परवीन, आसिफ सिद्दीकी ,आरिफ सिद्दीकी परवेज खान रेहान खान अलाउद्दीन नूर खान नियाज सिद्दीकी मौजूद रहे।

भाजपा नेता के नेतृत्व में एसपी ग्रामीण से मिले टैक्सी चालक

प्रखर वाराणसी। विधायक पिण्डरा डॉ. अवधेश सिंह के निर्देश पर जिलामहामंत्री डॉ0 जे पी दुबे के नेतृत्व में बाबतपुर एयरपोर्ट प्रीपेड टेक्सी यूनियन संघ एस पी ग्रामीण अमित वर्मा से मिलकर बुधवार को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जिसके फलस्वरूप एस पी ग्रामीण ने तत्काल समस्या का निवारण करने के लिए विश्वास दिलाया। साथ में उपस्थित भाजपा नेता प्रभात सिंह मिंटू जिलामंत्री फौजदार शर्मा,मण्डल अध्यक्ष अरबिंद मिश्रा,टैक्सी चालक संघ से राजेश दुबे, बाला दुबे,शैलेश मिश्रा,राजू मिश्रा,झगडू मिश्रा,रामविलास सिंहपहलवान,राकेश मिश्रा,रामचन्द्र दुबे,अतुल रावत समेत टैक्सी चालक व गणमान्य रहे।

व्यापारी उद्यमियों को भी विधान परिषद में अपना सदस्य चुनने का अधिकार मिले : प्रदीप जायसवाल

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। देश और उत्तर प्रदेश में करोड़ों की संख्या में फुटकर, थोक व्यापारी सहित छोटे बड़े उद्यमी हैं, जो सरकार को सीधे टैक्स (कर) देकर देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाते हैं, यही नहीं जब देश और प्रदेश में कोई संकट आता है तो सरकार व प्रशासन व्यापारी और उद्यमियों से सहयोग करने की अपील करती है, ताजा उदाहरण कोरोना काल है इन विपरीत परिस्थिति में उद्यमी और व्यापारी दोनों परेशान थे, उसके बावजूद भी प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्री के अपील के कारण व्यापारियों ने तन-मन-धन का सहयोग प्रदान किया, लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ता है कि व्यापारी उद्यमी कर देकर सीधे केंद्र और राज्य सरकारों को आर्थिक शक्ति प्रदान करती है, उसके बावजूद भी केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा उनको इतनी सुविधाएं नहीं मिलती जितनी कि किसान, मजदूर, कर्मचारी आदि को मिलती है और यहां तक कि उचित सम्मान तक नहीं मिलता है। देख लें कि स्नातक, शिक्षक और

पंचायत प्रतिनिधियों को विधान परिषद में अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, लेकिन वह व्यापारी उद्यमी जो सीधे केंद्र और राज्य सरकार को आर्थिक सपोर्ट देकर देश व प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करता है उनको यह अधिकार नहीं है। मैं केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करता हूं कि संविधान में संशोधन करके केंद्र और राज्य सरकार में पंजीकृत व्यापारियों के माध्यम से भी उनके विधान परिषद में अपना सदस्य सुनने की व्यवस्था होनी चाहिए। वर्तमान में केन्द्र व उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा यदि ऐसा नहीं होता है तो समाजवादी व्यापार सभा के संगठन साथी महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकार की होगी।

इस सन्दर्भ में मैं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल (एमएलसी) एवं समाजवादी व्यापार सभा के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री संजय गर्ग (विधायक सहारनपुर सदर) से जल्द ही मुलाकात कर बात करूंगा और प्रयास करूंगा कि जिस प्रकार से समाजवादी पार्टी की सरकार में सर्व विदित है कि व्यापारी हित व सम्मान के मुद्दे पर सबसे ज्यादा कार्य हुए हैं उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए समाजवादी पार्टी लोकसभा, राज्य सभा, विधान सभा व विधान परिषद में अपने वर्तमान प्रतिनिधियों द्वारा व्यापारी एमएलसी की मांग रखें और साथ ही साथ आगामी विधान सभा चुनाव 2022 होने के पूर्व समाजवादी पार्टी द्वारा घोषित होने वाले चुनावी घोषणा पत्र (मेनिफेस्टो) में व्यापारी हित, सम्मान व सुरक्षा, व्यापारी आयोग का गठन, व्यापारी दुर्घटना बीमा योजना की राशि 5 लाख से 20 लाख करने, सरल जीएसटी कानून के आदि व्यापारी हित वादे के साथ ही व्यापारी एमएलसी पद के सृजन करने के मांग शामिल करे।

गहमर में मुख्यमंत्री की संभावित आगमन पर मंडलायुक्त एवं आईजी रेंज वाराणसी एस के भगत ने स्थलीय निरीक्षण किया

प्रखर सेवराई गाजीपुर। एशिया के सबसे बड़े गांव गहमर में मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर आईजी वाराणसी रेंज एस के भगत ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हेलीपैड एवं कार्यक्रम स्थल का बारीकी से जायजा लिया। क्षेत्र में गंगा के बढ़ते जलस्तर से आई बाढ़ की विभीषिका झेल रहे लोगो के निरीक्षण करने एवं राहत पैकेज वितरण करने के संभावित कार्यक्रम के तहत तैयारियां युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई हैं। आनन फानन में अधिकारियों द्वारा गहमर के कार्यक्रम स्थल एवं हेलीपैड का निरीक्षण किया। इस दौरान आई जी वाराणसी रेंज एस के भगत ने गांव के पश्चिमी तरफ स्व योगेश्वर सिंह फुटबॉल मैदान को हेलीपैड एवं गहमर इंटर कालेज परिसर में ही बाढ़ पीड़ितों से मुख्यमंत्री जी का संवाद एवं राहत पैकेट वितरण किया जाएगा। तय कार्यक्रम अनुसार 13 जुलाइ शुक्रवार को मुख्यमंत्री जी का आगमन होना है। जिसका समय अभी नियत नही है। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंडलायुक्त दीपक अग्रवाल एवं डीएम मंगला प्रसाद ने पुलिस कप्तान व एसडीएम के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। गहमर इंटर कालेज ग्राउंड और स्व योगेश्वर सिंह फुटबॉल मैदान में लगे जल जमाव को जल्द से जल्द पानी निकाल कर कार्यक्रम को व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दिया। इस मौके पर एसडीएम सेवराई रमेश मौर्या, बीडीओ भदौरा अरुण कुमार वर्मा आदि सहित मातहत कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

तनी बुझी की सड़क में गड्ढा बा कि गड्ढा में सड़क बा

प्रखर केराकत जौनपुर। वर्तमान में केराकत- चंदावक मार्ग स्थित सरायवीरू चौराहे के पास गड्ढों की भरमार सी हो गई है।जहां सड़क तो कहीं नजर ही नहीं आती केवल नजर आते हैं तो गड्ढे।कई गड्ढे तो घुटने तक हैं जो बड़े दुर्घटना को निमंत्रण देते नजर आ रहें है। सड़क से यात्रियों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है आए दिन लोग गिरते पड़ते सफर कर रहे हैं।वहीं अंजान यात्री तो गाड़ी सहित ही गिरकर चोटिल हो जा रहें हैं।लोगों को परेसान करने के लिए रही सही कसर वहां के दुकानदारों ने बांस बल्ली लगा कर पूरी कर दी।दुकानदारों का कहना है हमारे किनारे से बाइक व सायकल जाने से दुकानदारी खराब हो रही है जिसलिये हम अपने इधर से किसी को आने जाने नहीं देंगे।बॉस बल्ली लगने से दोपहिया वाहनों को निकलने के लिए मजबूरी में पानी भरे गड्ढे से होकर जाना पड़ रहा है जिससे दुर्घटनाएं हो रहीं है।सड़क की दुर्दशा कुछ दिनों पूर्व कई अखबारों ने प्रमुखता से छापा पर लोक निर्माण विभाग अपनी कुम्भकर्णीय नींद ना तोड़ने की कसम खाये हुए हैं। लोगों का कहना है कि जब मीडिया में आई खबरों को लेकर अधिकारी कोई करवाई लोक निर्माण विभाग पर नहीं कर पा रहे हैं तो विभाग बनाने का क्या औचित्य है।

गुरुदक्षिणा कार्यक्रम का अयोजन किया गया

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के अकबरपुर गॉव में जिला सेवा प्रमुख स्व जितन्द्र सिंह के पैतृक निवास पर स्वयंसेवको के द्वारा गुरुदक्षिणा का कार्यक्रम का आयोजन किया गया !कार्यक्रम में मुख्य वक्ता मनोज जिला कार्यवाह रहे कार्यक्रम की शुरूआत स्व जितेंद्र सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए की गई !वक्ताओं ने स्वयं सेवक संघ के प्रति अपने विचार प्रकट करते हुए पूरी ईमानदारी से काम करने की अपील किये इस अवसर पर एकल गीत अजय जैसवाल जिला बैद्धिक शिक्षण प्रमुख,मुख्य शिक्षक दिव्यांशु,गौ सेवक प्रमुख राजू ,वीरेंद्र सिंह,भाजपा नेताओं में राजेंद्र बहादुर,रामजतन सिंह,ओमप्रकाश सिंह,प्रवीण सिंह,जगरनाथ सिंह,संदीप पाठक,पंकज सिंह,सहित ग्रामवासी मौजूद रहे !

संत ने बस्ती का किया नामकरण

प्रखर दानगंज वाराणसी। विकास खंड चोलापुर क्षेत्र के बंतरी गांव को वाराणसी-जौनपुर बार्डर पर स्थित गांव होने तथा उक्त गांव वाराणसी और जौनपुर दोनों जनपद में स्थित होने के कारण दूरदराज से आने वाले लोगों को इधर-उधर भटकना पड़ता था। सोमवार को उक्त गांव में आयोजित कथा सत्संग में आए गद्दी बड़ैया के आचार्य संत शरण साहब जी ने वाराणसी-जनपद में आने वाले बंतरी गांव के दक्षिण पूरा का नामकरण साहबगंज के नाम से किया। मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान रामप्रसाद, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवराज गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजेंद्र कनौजिया समेत व नामकरण की पहल करने वाले ग्रामीण विवेक चौबे महेंद्र कुमार चौबे स्वत्रंत चौबे समेत दर्जनों ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त किया। गौरतलब है कई पुरा में फैले बंतरी गांव में सटीक ग्रामीण के घर पहुंचने में लंबे समय से लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों ने बताया कि उक्त नामकरण से ग्रामीणों व आगंतुकों को सहूलियत होगी। मौके पर पहुंचे आचार्यों में करतारा सरकार, सतनाम साहब, संतोष साहब, धनी साहब प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अर्जुन सिंह यादव बने पिछड़ा वर्ग राज्य कार्यकारिणी के सदस्य

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम के संस्तुति पर पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एमएलसी डॉक्टर राजपाल कश्यप ने राज्य कार्यकारिणी में सदस्य मनोनीत किया। शुभकामना देने वालों पूर्व राज्यमंत्री मनोज राय धूपचंडी ,महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ,जिला अध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष मिथिलेश साहनी बच्चा, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह पटेल, व्यापारी नेता अनिल सोनी, व्यापारी नेता किशन सेठ, सैफ अंसारी, अनिल यादव ,प्रकाश यादव ,बाबू भाई सहित इत्यादि लोगों ने शुभकामना दिया।

प्रसिद्ध शिक्षाविद के निधन पर शोक संवेदना जताने वालों का लगा रहा तांता

प्रखर खेतासराय जौनपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के जमदहा ग्राम निवासी य पत्रकार यूसुफ खान के 72 वर्षीय पिता शिक्षाविद हाफिज मोईन अहमद खान के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का अभी भी तांता लगा हुआ है। बुधवार को पत्रकार यूसुफ के पैतृक आवास जमदहा में विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग व समाजसेवी, व्यापारियों ने पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त किए। क्षेत्र के सीधा ग्राम निवासी व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अमिक जमाई, केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष व समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ

उपाध्यक्ष शकील अहमद, मोहम्मद आजम खान, जौनपुर के सभासद साजिद अलीम, नासिर खान, आजमगढ़ जनपद के वरिष्ठ समाजसेवी शेख सलाहुद्दीन, यूनियन बैंक केराकत शाखा के मैनेजर अमरेश कुमार, भाजपा के युवा नेता सभासद मनीष गुप्ता, डॉ अमलेन्द्र गुप्त, दीपक गुप्ता, डॉ चंद्रजीत मौर्य, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ छात्र संघ के पूर्व महामंत्री अबू फजल खान, हबीब हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर शौकत खान, सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन यादव, मोहम्मद अरशद, इन्द्रजीत सिंह मौर्य, डॉ यशवंत सिंह, भानु प्रताप सिंह, देवेंद्र सिंह यादव, खालिद शाह,संदीप गुप्ता,शहनवर अंसारी,राहिल खान,मोहम्मद अफजल, सतीश यादव एडवोकेट पिंकू , राकेश शर्मा, राममूर्ति यादव, फहीम अहमद , अजय पांडेय, विकास तिवारी, श्यामचंद यादव समेत भारी संख्या में लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त किया।

विद्यालय में किया गया वृक्षारोपण

प्रखर पुर्वांचल वाराणसी। जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ काशी विद्यापीठ वाराणसी सनत कुमार सिंह द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय भट्ठी में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी डॉ.किरन पांडेय,विशिष्ट अतिथि सनत कुमार सिंह तथा सम्मानित ग्राम के वरिष्ठ नागरिक गणों द्वारा विद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय में अशोक, कामिनी,चांदनी,बेला,टेंगरी, मोरपंखी इत्यादि का पौधा रोपित किया गया।डॉ किरन पांडेय ने लोगों से कहा कि अधिक से अधिक वृक्षारोपण किया जाय और उसकी सुरक्षा भी की जाय।इस मौके पर संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह ,ग्राम प्रधान बेबी सिंह,प्रधान प्रतिनिधि परमानंद सिंह,ग्राम सचिव विजय कन्नौजिया,प्रधानाध्यापिका प्रेमलता यादव, सम्मानित नागरिकगण नारायणी सिंह, छविनाथ सिंह,निहाला सिंह, अभिमान प्रसाद,हरिलाल,पंकज सिंह,राजकुमार,शंभू पाल,सुभाष, छोटक राम,बलवंत सिंह, पारसनाथ सिंह,रोहित तिवारी, शिक्षकगण रीता राय,चन्द्रा आहूजा,अनुराधा यादव,स्मृति शर्मा,आरती,उदय,प्रताप सिंह, संगीता,अर्चना,प्रियंका इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

कुलपति महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ का ऐतिहासिक निर्णय

प्रखर वाराणसी। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के आदेश दिनाँक 13 मार्च 2020 का अनुपालन करते हुए कुलपति विद्यापीठ ने संविदा अध्यापकों को पाठ्यक्रम संचालित रहने, संतोषजनक रहने अथवा अधिवर्षता आयु तक नियमित कर दिया गया। पूर्व में यह संविदा 5 वर्षों तक के लिए होती थी इसके पश्चात उन्हें पुनः सेवा विस्तार हेतु संघर्ष करना पड़ता था।कुछ संगठन लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। जिसके आलोक में उच्च शिक्षा ने यह आदेश दिया था।संगठनों का आरोप था कि 5 वर्ष की संविदा के पश्चात संविदा विस्तरण के नाम पर कुछ निदेशक/विभागाध्यक्ष संविदा अध्यापकों को अर्दब में रखते थे।कुलपति महोदय द्वारा जारी 10 अगस्त के जारी निर्णय से समस्त संविदा अध्यापक अधिवर्षता आयु तक कार्यरत माने जाएंगे साथ ही विभागाध्यक्ष यदि किसी शिक्षक की प्रतिकूल प्रविष्टि भी भेजता है तो अंतिम निर्णय नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर कुलपति लेंगे।कुलपति के इस निर्णय से विद्यापीठ कैम्पस सहित गंगापुर कैम्पस एवँ एनटीपीसी कैम्पस के शिक्षकों में खुशी की लहर ब्याप्त है।ऐसे में संविदा शिक्षक बिना किसी दबाव के अध्धयन/अध्यापन कर सकेंगे एवँ अनावश्यक दबाव/शोषण से मुक्त रहेंगे।

आईआरपीसी स्टाफ आर्गनाइजेशन बैठक हुई संपन्न

प्रखर पुर्वांचल वाराणसी। बनारस स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक के प्रांगण में इंडियन रेलवे टिकट चेकिंग स्टाफ ऑर्गनाइजेशन की एक बैठक आहूत की गई।बैठक में टिकट चेकिंग स्टाफ से संबंधित समस्याओं पर चर्चा किया गया तथा एकजुट होकर समाधान निकलवाने पर विचार विमर्श किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए पूर्वोत्तर रेलवे के मजदूर नियंत्रण मंडल अध्यक्ष एन बी सिंह ने कहा की यूनियन हर कदम पर चेकिंग स्टाफ के समस्याओं के समाधान में हमेशा सहयोगी रहा है और भविष्य में भी रहेगा। उन्होंने छपरा के टीटीई मनोज कुमार यादव के इलाज में डॉक्टरों द्वारा की गई लापरवाही के खिलाफ यूनियन के प्रदर्शन का जिक्र किया साथ ही यूनियन के सभी सदस्यों ने मनोज कुमार के असामायिक निधन पर दो मिनट का मौन धारण करके श्रद्धांजलि अर्पित की। बैठक में रवि शंकर सिंह को मंडल अध्यक्ष व अंगद सिंह को मंडल मंत्री सर्वसम्मति से चयनित किया गया।

आल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कस यूनियन की हुई बैठक

प्रखर पूर्वान्चल पटना। फुलवारी शरीफ (पटना) में आल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कस यूनियन की 11अगस्त बुधवार को हुई बैठक जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चंदन कुमार ने की और उन्होने कहा की प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं व स्कूली छात्रों के उज्जवल भविष्य निर्माण के लिए आने वाले 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन फ्री पेपर वाचनालय का शुभारंभ फुलवारी शरीफ में किया जाएगा । फ्री पेपर वाचनालय में हिंदुस्तान, प्रभात खबर, बिहार दर्शन, मिडिया दर्शन, दैनिक जागरण, दैनिक भास्कर,नवबिहार टाईम,आदि सभी तरह के समाचार पत्र एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए कॅरियर मार्गदर्शन के पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध रहेगी। आल इंडिया रेलवे शु-शाईन वर्कस यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष,सच्चा समाज सेवक ओमप्रकाश राम नेतृत्व में चलाई जाने वाली इस वाचनालय में छात्र एवं नागरिकगण प्रतिदिन ज्ञानवर्धक

पुस्तकों एवं पत्र-पत्रिकाओं का पठन-पाठन कर सकते हैं। फ्री वाचनालय का लाभ उठाने व ज्ञानवर्धक पुस्तकों को अपना मित्र बनाकर भविष्य संवारने को प्रेरित किया। इसलिए वाचनालय आकर अपना कॅरियर जरूर संवारे। वाचनालय में प्रतिदिन समाचार पत्र एवं प्रति माह प्रतियोगी पत्र पत्रिकाएं एवं रोजगार से जुड़े न्यूज पेपर उपलब्ध कराने का काम यूनियन के द्वारा है।अंत में उन्होने कहा कि 100 से ज्यादा फ्रि अखबार वाचनालय हमारी यूनियन खोलेगी। बैठक हीरालाल यादव, अशोक कुमार, रानाप्रताप आदि।

प्रदेश अध्यक्ष लोकगीत गायक धर्मेन्द्र सोलंकी का पार्टी कार्यालय पर हुआ स्वागत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी विधान सभा चुनाव मे अभी से पुरी ताकत से जुट गई है। सपा का सांस्कृतिक प्रकोष्ठ गीतों के माध्यम से जनता के बीच पार्टी की विचारधारा का प्रचार प्रसार कर रहे है। भाजपा के जन विरोधी नितियो को ढोल मजीरा व गीतो के माध्यम से गांव से लेकर शहर तक बूथो पर पहुंचा रहे है।सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष लोकगीत गायक धर्मेन्द्र सोलंकी ने बुधवार को पार्टी कार्यालय अर्दली बाजार मे महानगर समाजवदी पार्टी द्वारा आयोजित सम्मान समारोह मे कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार मे लैपटॉप योजना, पढ़े बेटियां-बढ़े बेटियां योजना, महिला हेल्प लाइन 1090 का, 100 डायल अब 112 की आधुनिक शुरूआत, कन्या विद्याधन, साइकिल वितरण, बेरोजगारी भत्ता, किसानों को सिंचाई संसाधन, बुनकरों को बिजली में छूट, चारधाम यात्रा, कब्रिस्तान की बाउंड्री जैसी सैकड़ो योजनाओं को

आज भी प्रदेश की जनता याद कर रही है। जनता अब परिवर्तन चाहती है । धर्मेन्द्र सोलंकी ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर हम प्रदेश के समस्त जिलों के विभिन्न विधान सभाओ मे जाकर जनता के बीच भाजपा सरकार की नाकामियों को लोक गीत गाकर व ढोल मजीरा व गीत के माध्यम से बूथो तक बताने का कार्य कर रहे हैं। पूर्व पार्षद एवं युवजन सभा के प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा कि महंगाई,बढते अपराध,किसानो के उपर थोपे गए काले कानून,महिलाओ के साथ अत्याचार, बेरोजगारी, दो साल से कोरोना काल के अवधि मे सरकार ने कोई ध्यान नही दिया जिससे जनता मे आक्रोश है इस बार प्रदेश की जनता अखिलेश यादव को पुनः मुख्यमंत्री देखना चाहती है। धर्मेन्द्र सोलंकी इस समय उत्तर प्रदेश के प्रदेशव्यापी कार्यक्रम के तहत समस्त जिलों में अपने सम्बद्ध प्रकोष्ठ के जिला व महानगर संगठन के साथ बैठक ले रहे हैं व जिलों के समस्त विधानसभाओं में क्रमवार कार्यक्रम लगाकर लोकगीत के माध्यम से भाजपा सरकार की नाकामियों को जनता के बीच पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं । आज महानगर पार्टी कार्यालय पर उनका स्वागत अभिनंदन किया गया । प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी ने सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सभी विधान सभाओ मे होने वाले कार्यक्रम का क्रमवार रिपोर्ट महानगर अध्यक्ष विश्वनाथ पटेल से जाना एवं और व्यापक स्तर पर आयोजन करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा, पूर्व पार्षद एवं युवजन सभा के प्रदेश सचिव वरुण सिंह, महानगर महासचिव जितेन्द्र यादव, रामनगर पालिका अध्यक्ष जितेन्द्र यादव मलिक, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ महानगर अध्यक्ष विश्वनाथ पटेल, लोहिया वाहिनी के महानगर अध्यक्ष दीपचंद गुप्ता, महिला सभा महानगर अध्यक्ष पूजा यादव, शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष संजय प्रियदर्शी, मनोज यादव गोलू, दिलदार अहमद, अरविंद सिंह, दिनेश यादव, पूजा सिंह,आँचल राघवानी, विकास बावरा सहित इत्यादि लोग मौजूद रहे।

वर्षों से काट रहे तहसील के चक्कर

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत तहसील के नाउपुर गाँव निवासी गुड्डू गोंड कई वर्षों से तहसील के चक्कर काट रहें है गोंड जाति का प्रमाण पत्र बनवाने के लिए लेकिन अब तक कोई कार्यवाई नही हुई. गुड्डू गोंड ने बताया की भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के जारी अनुसूचित जनजाति शासनादेश मे स्पष्ट है कि 1356 एवं 1359, छात्र पंजिका, सजरा खानदान और खंड विकास अधिकार द्वारा जारी परिवार रजिस्टर हैं तो अनुसूचित जनजाति का प्रमाण पत्र जारी करें लेकिन सब साक्ष्य होने के बावजूद जाति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जा रहा है प्रमाण पत्र जारी नहीं होने से इनके बच्चों के पढ़ाई लिखाई एवं नौकरी से जुड़ी गम्भीर समस्या उत्पन्न हुई है जबकि वर्ष 2009 मे तहसील केराकत क्षेत्र में 222 व्यक्तियों का जाति प्रमाणपत्र उक्त साक्ष्यों पर जारी किया गया है. लगभग 12 वर्षों से तहसील का चक्कर काटते काटते परिवार भूखमरी के कगार पर आ चुका है जबकि मेरे सगे बड़े भाई दिलीप कुमार का गोंड जाति प्रमाण पत्र जारी हुआ है । शिकायत कर्ता ने बताया कि शासन प्रशासन से लेकर मुख्यमंत्री से अपनी न्याय की गुहार लगा रहा हूँ। वही हल्का लेखपाल द्वारा पैसा मांगने पर आर्थिक रूप से कमजोर होने के नाते रुपया न दे पाया। जिसके कारण उल्लिखित साक्ष्यों की अनदेखी कर गलत रिपोर्ट लगाकर एक ही जाति के व्यक्ती को कभी भड़भुजा तो कभी कहार लिखते हैं। उच्चाधिकारी भी इनकी शिकायत को नजरअंदाज कर देते हैं। मनगढंत रिपोर्ट पर मामले को इतिश्री कर देते है। इस बावत जब तहसीलदार रामसुधार से बात हुई तो टालमटोल करने लगे रहे। बाद मे संपर्क किया गया तो कहा की जिला कमेटी खारिज कर चुकी है। हम इनको गोंड जाति का प्रमाण पत्र जारी नही कर सकते है, ये कहार जाति के गोंड हैं ।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं